Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 22 , बुधवार, 14 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

न्यायमूर्ति खानविलकर ने स्वयं को बोफोर्स मामले की सुनवाई से किया अलग

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश ए एम खानविलकर ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील 64 करोड़ रुपए के बोफोर्स भुगतान मामले की सुनवाई से आज स्वयं को अलग कर लिया। न्यायमूर्ति खानविलकर, प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली पीठ का हिस्सा थे। उन्होंने मामले की सुनवाई से अलग रहने का विकल्प चुनने का कोई कारण नहीं बताया। इस पीठ में न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ भी शामिल थे।

पीठ ने कहा कि मामले की 28 मार्च को सुनवाई के लिए नई पीठ का गठन किया जाएगा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 31 मई 2005 को फैसला सुनाते हुए मामले के सभी आरोपियों के खिलाफ सभी आरोप खारिज कर दिए थे। भाजपा नेता अजय अग्रवाल ने अदालत के इस आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी, जिसकी सुनवाई इस पीठ को करनी थी।

भागवत के बयान को मायावती ने बताया अपमानजनक

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत के सेना और संघ के स्वयंसेवकों के बीच कथित तुलना को लेकर दिये बयान को अपमानजनक करार दिया है। मायावती ने भागवत के बयान को अत्यंत आपत्तिजनक एवं अपमानजनक करार देते हुए आज कहा, अगर भागवत को अपने मिलिटेन्ट स्वयंसेवकों पर इतना ज्यादा भरोसा है तो उन्होंने अपनी सुरक्षा के लिए सरकारी खर्चे पर विशेष कमाण्डो क्यों ले रखे हैं?

भागवत द्वारा बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में अपने सम्बोधन के दौरान संघ स्वयंसेवकों को सेना से बेहतर बताने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये मायावती ने यहां एक बयान में कहा कि ऐसे समय में जबकि भारतीय सेना को विभिन्न प्रकार की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है, संघ प्रमुख का बयान सेना का मनोबल गिराने वाला है जिसकी इजाजत उन्हें कतई नहीं दी जा सकती। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि भागवत को अपनी गलत बयानबाजी के लिये देश से माफी मांगनी चाहिये ।

उन्होंने कहा, वैसे भी मोहन भागवत को आरएसएस स्वंयसेवकों के सम्बंध में यह भ्रम अब दूर कर लेना चाहिये कि वे लोग नि:स्वार्थ काम कर रहे हैं क्योंकि संघ अब एक सामाजिक संगठन नहीं रहकर राजनीतिक संगठन बनता जा रहा है। संघ के स्वंयसेवक सामाजिक सेवा को ताक पर रखकर पूरी तरह से भाजपा की चुनावी राजनीति करने में ही व्यस्त नज़र आते हैं।''

ताजमहल परिसर में अब बस तीन घंटे ही रह पायेंगे पर्यटक

नयी दिल्ली। आगामी अप्रैल माह से यदि आप ताजमहल देखने जाएंगे तो आपको तीन घंटे के भीतर ही पूरा परिसर देखकर बाहर आना होगा। साथ ही इसके पर्यटक टिकट में भी मामूली बढ़ोतरी होने जा रही है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री महेश शर्मा ने संवाददाताओं को यह जानकारी देते हुए बताया कि सरकार का मकसद ताजमहल देखने के लिए देश विदेश से आने वाले लाखों पर्यटकों की संख्या पर कोई पाबंदी लगाना नहीं किंतु वह कुछ ऐसे कदम उठाने जा रही है जिससे यह विश्व प्रसिद्ध स्मारक आने वाली कई सदियों तक भारत का गौरव बना रहे। उन्होंने बताया कि सरकार यह कदम नीरी की रिपोर्ट की सिफारिशों के आधार पर उठाने जा रही है ताकि पर्यावरण एवं अन्य दृष्टियों से ताजमहल को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने बताया कि ताजमहल परिसर में प्रवेश के लिए टिकट का मूल्य 40 रूपये से बढ़ाकर 50 रूपये किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए ई-टिकट भी उपलब्ध होगा।

शर्मा ने कहा कि टिकट पर बार कोड होगा जिससे यह पता लगाना आसान हो जाएगा कि पर्यटक तीन घंटे से अधिक ताजमहल परिसर में नहीं रह पाएं। उन्होंने कहा कि अभी देखने में आया है कि कुछ लोग टिकट खरीदते हैं और आठ-आठ घंटे तक इस परिसर में रूक जाते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि 15 साल की आयु तक के बच्चों और विद्यार्थियों के लिए ताजमहल में प्रवेश के लिए कोई टिकट नहीं लगेगा। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी संभवत- एक अप्रैल से शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इस 50 रूपये के टिकट में मुख्य मकबरों का प्रवेश शामिल नहीं होगा। मुख्य मकबरों में प्रवेश के लिए 200 रूपये का विशेष टिकट शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कदम के पीछे सरकार का मकसद पैसा कमाना नहीं बल्कि निर्मित भवनों की सुरक्षा और बेहतर जन प्रबंधन सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि आम दिनों में ताजमहल देखने के लिए 30 से 40 हजार पर्यटक आते हैं और अवकाश एवं विशेष अवसरों पर यह संख्या करीब एक लाख तक पहुंच जाती है। इतनी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करना कोई आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि ताजमहल में पर्यटकों के प्रवेश से निर्धारित समय से आधे घंटे पहले टिकट खिड़कियां खुलेंगी और बंद होने के निर्धारित समय से आधे घंटे पहले बंद हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि ऊंचे मूल्य वाले टिकट की भी व्यवस्था की जाएगी और ऐसे पर्यटकों को विशेष सुविधा दी जाएगी। शर्मा ने कहा कि महताब बाग से रात्रि दर्शन के भी प्रबंध किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ताज कारिडोर क्षेत्र तथा ताजमहल एवं आगरा किले के बीच हरियाली को विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने 'लपका संस्किृत' के खिलाफ कड़ा रूख अख्तियार करने का निर्णय किया है ताकि पर्यटकों विशेषकर महिला पर्यटकों को सुरक्षित वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि इसके लिए पर्यटन मंत्रालय, आगरा विकास प्राधिकरण और स्थानीय पुलिस मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि 'लपका संस्कृति' से देश के सभी पर्यटन स्थलों को मुक्त करने के दिशा में सरकार काफी गंभीर है।

आधार नही होने पर लाभ देने से मना नहीं किया जा सकता : प्रसाद

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय कानून एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रविशंकर प्रसाद ने राज्य सरकारों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि आधार न होने की वजह से किसी को भी जरुरी लाभ से वंचित नहीं रहना पड़े। प्रसाद ने राज्य के आईटी मंत्रियों और सचिवों से आज कहा, ÷आधार एक बड़ा मंच है, जो सुशासन और बचत की ओर ले जाता है लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि आधार के लिये कानून है। इस कानून में कहा गया है कि आधार कार्ड न होने की वजह से किसी को लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता।÷ उन्होंने कहा कि अगर किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड नहीं है तो आधार कार्ड लाने के लिये कहना चाहिये और वैकल्पिक साधन का उपयोग करके उन्हें लाभ प्रदान किया जाना चाहिये।

प्रसाद ने यहां राज्यों के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रियों के सम्मेलन में यह बात कही। प्रसाद ने कहा, ÷कई बार राशन की दुकानों पर राशन नहीं दिया जाता है। ऐसा नहीं होना चाहिये। आपको इसके बारे में सोचना चाहिये। कोई भी गरीब को राशन देने से मना नहीं कर सकता है।÷ केंद्रीय मंत्री की ओर से यह बयान गुरुग्राम अस्पताल की घटना के एक हफ्ते बाद आया। अस्पताल ने एक गर्भवती महिला को सिर्फ इस वजह से भर्ती करने से मना कर दिया था क्योंकि वह आधार कार्ड साथ में नहीं लायी थी। जिसके बाद महिला ने अस्पताल के बाहर ही बच्चे को जन्म दे दिया था।

प्रसाद ने कहा कि कई बार बुजुर्गों की उंगलियों की छाप मेल नहीं खाती है। उन्होंने विभाग को निर्देश दिया है इस स्थिति में उनका आधार नंबर एक रजिस्टर में लिख लिया जाए और लाभ प्रदान किया जाये। जिस लाभ के वे हकदार है उसे देने से उन्हें मना नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हम अगले पांच साल में देश में एक हजार अरब डॉलर की डिजिटल अर्थव्यवस्था बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इससे 50 से 75 लाख लोगों के लिये रोजगार सृजित होंगे।

उज्ज्वला योजना से महिला सशक्तिकरण मजबूत हो रहा है: रामनाथ कोविंद

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

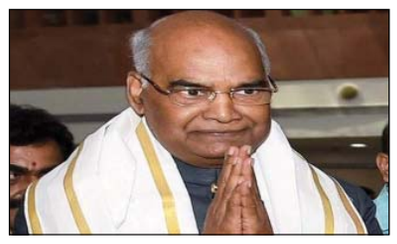

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति भवन में 'एलपीजी पंचायत' का आयोजन किया और कहा कि उज्ज्वला योजना से महिला सशक्तिकरण सुदृढ़ हो रहा है और इसके तहत एलपीजी पंचायतों का आयोजन काफी उपयोगी साबित होगा। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि उज्ज्वला योजना से महिला सशक्तिकरण सुदृढ़ हो रहा है।

राष्ट्रपति भवन की विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा स्वास्थ्य, कल्याण तथा महिला सशक्तिकरण के जरिए सामाजिक न्याय के लिए किए जा रहे प्रयासों के वास्ते मंत्रालय को बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उज्ज्वला योजना के हिस्से के रूप में एलपीजी पंचायतों के आयोजन काफी उपयोगी साबित होंगे।

एलपीजी पंचायत का आयोजन पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा किया गया है। इसका उद्देश्य एलपीजी उपभोक्ताओं को एक दूसरे से बातचीत करने, एक दूसरे से सीखने तथा अनुभव साझा करने के लिए मंच प्रदान करना है। प्रत्येक एलपीजी पंचायत में लगभग 100 एलपीजी उपभोक?ता एलपीजी के सुरक्षित और सतत उपयोग, इसके लाभ और खाना पकाने में स्वच्छ ईंधन तथा महिला सशक्तिकरण के बीच संबंध पर चर्चा करने के लिए अपने निवास के नजदीक एकत्रित होते हैं।

सत्ता में आने के बाद जीएसटी को बनाएंगे सरल : राहुल गांधी

कालबुर्गी (कर्नाटक) (एजेंसी)।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी अगर केंद्र में सत्ता में आई तो वह मौजूदा जीएसटी में सुधार कर इसे एकल-स्तरीय कर बनाने की कोशिश कर सरलीकृत करने का प्रयास करेंगे और इसे ''उचित'' स्तर तक लाएंगे। इस कर को लागू करने के तरीके को लेकर बेहद आलोचनात्मक रुख रखने वाले गांधी इसे ''गब्बर सिंह टैक्स'' करार दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि गुड्स एंड सर्विसेज टेक्स (जीएसटी) को लेकर ''व्यापक'' भ्रम को भी दूर किया जाएगा। उन्होंने यहां पेशेवरों और उद्यमियों के साथ बातचीत में कहा, ''हमारी स्थिति बेहद स्पष्ट है। हम जब सत्ता में आएंगे हम मौजूदा जीएसटी में सुधार कर इसे सरलीकृत बनाएंगे। हम उसे एक कर बनाने का प्रयास करेंगे और इसकी एक उचित सीमा तय करेंगे। हम उस व्यापक भ्रम की स्थिति को भी दूर करने की कोशिश करेंगे जिसका सामना आप सब कर रहे हैं।'' गांधी ने कहा कि कांग्रेस के पास जीएसटी की एक परिकल्पना थी जो लोगों के जीवन को आसान बनाने से जुड़ी थी लेकिन यह अभी जटिल हो गया है। उन्होंने कहा, ''हमारा एक कर का विचार था और बड़ी संख्या में उन चीजों को जीएसटी के दायरे से बाहर रखा था जिनका इस्तेमाल गरीब और आम आदमी करते हैं। एकल कर की अधिकतम सीमा 18 फीसद हो। यह हमारा जीएसटी था।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कर को लेकर संसद में भाजपा और राजग की लंबे समय तक कांग्रेस से लड़ाई हुई।

भाजपा का त्रिपुरा में वामपंथी किले को भेदने के लिए हाई-प्रोफाइल प्रचार अभियान

अगरताला (एजेंसी)।

त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने पूरी तरह से कमर कस ली है। राज्य में 18 फरवरी को मतदान होगा। चुनावी मैदान में भाजपा के सीधे तौर पर उतरने के साथ ही राज्य में चुनावी सरगर्मी इतनी तेज हो गई है जिसे स्थानीय लोगों ने पहले कभी नहीं देखा था। एक सरकार कर्मचारी मिथुन घोष का कहना है कि राज्य में 25 साल से सत्ता में बैठी वामपंथी सरकार को हटाने के लिए भाजपा अपने शीर्ष नेताओं को प्रचार अभियान में उतारने के साथ ही अपनी पूरी ताकत झोंकने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले हफ्ते इस पूर्वोत्तर राज्य के दौरे पर आये थे और गुरुवार को दो चुनाव सुभाएं की थीं। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने भी कई जन सभाएं की और राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी जैसे शीर्ष नेताओं के साथ-साथ पार्टी में हिंदुत्व का चेहरा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक ने कई रोड शो किए, जिसके सहारे भाजपा 60 विधानसभा क्षेत्रों के 25 लाख मतदाताओं को साधने में जुटी हुई है। राष्ट्रीय परिदृश्य पर एक छोटे राज्य के रूप में त्रिपुरा के उत्सुक और राजनीतिक रूप से जागरूक मतदाताओं को इस बार कुछ नया देखने को मिल रहा है। मतदाताओं में इस बात की उत्सुकता है कि क्या भगवा दल वामपंथी किले को भेदने में सक्षम है। हालांकि भाजपा की राह बहुत ही कठिन है, लेकिन दूसरी ओर माकपा के लिए मुख्यमंत्री माणिक सरकार की व्यक्तिगत छवि राहत की बात है जिन पर जनता कई बुनियादी समस्याओं को नजअंदाज कर एक बार फिर से भरोसा कर सकती है। हालांकि राज्य में रोज़गार के अवसरों, विकास और पेयजल और बिजली जैसी बुनियादी चीजों की कमी से संबंधित मुद्दों पर सरकार घिर सकती है।

एक तरफ वामपंथी दल ग्रामीण विकास और गरीबों पर अपना ध्यान केंद्रित करने का वादा कर रहे हैं, तो दूसरी ओर भाजपा ने अपने घोषणा-पत्र के जरिये मतदाताओं को रिझाने के लिए कई लोकलुभावन वादे किये हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने रविवार को घोषणा-पत्र जारी किया था।

लोकतांत्रिक परंपराओं का मखौल उड़ा रहा है विपक्ष : भाजपा

लखनऊ (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में हंगामा कर विपक्ष लोकतांत्रिक परंपराओं का मखौल उडा रहा है। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि विधानसभा में हंगामा और बवाल कर विपक्ष लोकतांत्रिक परंपराओं का मखौल उड़ा रहा है और वह नहीं चाहता है कि जनहित के मुद्दों पर सदन में सकारात्मक चर्चा का वातावरण बन सके।

त्रिपाठी ने कहा कि एक तरफ जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुआई में प्रदेश सरकार हर घंटे सूबे के विकास की कोशिशों में जुटी हुई है तो वहीं विपक्ष के साथी नकारात्मक भूमिका निभाते हुए विकास के रथ को गैरवाजिब तरीके से रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता समझदार है और यह देख रही है कि किस तरह विपक्ष के साथी जानबूझ कर सदन नहीं चलने दे रहे हैं।

त्रिपाठी ने कहा कि कानून-व्यवस्था में शानदार परिवर्तन करने के साथ ही जब सरकार संगठित माफिया गिरोहों की कमर तोड़ने के लिए यूपीकोक का विधेयक लेकर आई, तब भी विपक्ष का यही रवैया देखने को मिला था। विपक्ष ने न सिर्फ हंगामा कर इस विधेयक को रोकने की कोशिश की बल्कि कानून बनने के रास्ते में भी रूकावट पैदा की।

त्रिपाठी ने कहा कि विपक्ष ने लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ जाकर राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान भी सीमाएं लांघ कर सदन के भीतर विरोध किया। अभिभाषण के दौरान गुब्बारे उड़ाना, राज्यपाल पर कागज के टुकडे फेंकना, सीटी बजाना और शोर शराबा करते हुए सदन को नहीं चलने देना साबित करता है कि विपक्ष के साथी लोकतांत्रिक मर्यादाओं को या तो जानते नहीं या फिर उसका पालन नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि जहां एक तरफ सरकार जनता के हित में तमाम विषयों पर चर्चा करने के साथ ही साथ जनहित के फैसले लेने में जुटी हुई है तो वहीं विपक्ष के साथी मुद्दों से ध्यान भटकाने में लगे है।

महबूबा ने सुंजवां सैन्य शिविर हमले में शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी

जम्मू (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर की मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने सुंजवां सैन्य शिविर पर हुए आतंकवादी हमले में शहीद छह सैनिकों में से चार सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज आयोजित हुए कार्यक्रम में हिस्सा लिया। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि जम्मू हवाईअड्डे पर महबूबा ने मंत्रिमंडल के सदस्यों और वरिष्ठ सैन्य व पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर शहीदों के पार्थिव शरीर पर फूलों की माला चढ़ाई।

जैश-ए-मोहम्मद संगठन के कुछ आतंकवादियों ने शनिवार को यहां सुंजवां स्थित सेना के शिविर के भीतर एक आवासीय क्वार्टर पर हमला कर दिया था। इस हमले में छह सैनिकों समेत सात लोग मारे गए थे और 10 अन्य घायल हो गए थे। सेना की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में जैश-ए-मोहम्मद के तीन हथियारबंद आतंकवादी भी मारे गए। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री निर्मल सिंह, मंत्री अब्दुल हक खान और चौधरी जुल्फिकार, राज्य भाजपा अध्यक्ष व विधायक सत शर्मा समेत कई लोग मौजूद थे। प्रवक्ता ने बताया कि सेना व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी। कल समस्त सैन्य सम्मान के साथ कठुआ निवासी जेसीओ मदन लाल चौधरी का उनके गांव में दाह संस्कार किया गया जबकि उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के हवलदार राकेश चंद्र का शव कल रात ही गोलीबारी वाले स्थान से बरामद किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने शहीद सैनिकों के परिवार के सदस्यों से बातचीत की व उन्हें सांत्वना दी।

यूपी के अयोध्या, गोरखपुर और इलाहाबाद में बनेंगे संग्रहालय

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

केन्द्र सरकार उत्तर प्रदेश की तीन प्रमुख धार्मिक नगरियों अयोध्या, गोरखपुर और इलाहाबाद में तीन अलग-अलग संग्राहलय बनवायेगी और इसके लिए प्रदेश की सरकार से बात की जा रही है। केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री महेश शर्मा ने यह जानकारी दी। शर्मा ने अपने मंत्रालय के बजट आवंटन के बारे में बुलाये गये संवाददाता सम्मेलन बताया के कि अयोध्या में यह संग्रहालय भगवान राम पर आधारित होगा। इसी प्रकार इलाहाबाद में बनने वाला संग्रहालय कुंभ मेले पर केंद्रित होगा।

गोरखपुर में बनने वाला संग्रहालय शहर की संस्कृति पर आधारित होगा जिसमें गोरक्षनाथ मंदिर भी शामिल होगा। उन्होंने कहा कि इनके बारे में काम शुरू हो चुका है। शर्मा ने बताया कि इस बारे में दो दिन पहले ही उनकी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बैठक हुई थी। शर्मा ने बताया कि वित्त वर्ष 2018-19 के आम बजट में संस्कृति मंत्रालय के बजट आवंटन में 3-82 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि मंत्रालय के पिछले दो साल के बजट को शत प्रतिशत खर्च किया गया और इस साल भी यह पूरा व्यय होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सुभाष चंद्र बोस और आईएनए के बारे में एक संग्रहाल बनाया जायेगा। इसके लिए डीडीए से जमीन के लिए बात की जा रही है। उन्होंने कहा कि जमीन का प्रबंध नहीं होने पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र से भी कुछ जमीन लेने पर विचार हो सकता है। उन्होंने कहा कि कोलकाता में भी नेताजी के बारे में एक संग्रहालय बनाया जायेगा।

उन्होंने बताया कि सरकार ने 490 करोड़ रूपये की योजना कल्चरल मैपिंग आफ इंडिया शुरू की है। इसमें देश के किसी भी हिस्से में रहने वाला कोई भी कलाकार एक केन्द्रीय पोर्टल में अपना पंजीकरण करा सकता है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कोई शर्त या पाबंदी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इसके आधार पर इन कलाकार को श्रेणीबद्ध करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार का इस कदम के पीछे मकसद यही है कि हमारी कोई भी पारंपरिक कला पहचान के अभाव में दम न तोड़े। उन्होंने कहा कि लालकिले के संरक्षण के लिए विभिन्न कार्य चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि लाल किले में चार प्रदर्शनियों का आयोजन किया जा रहा है जो 1857 के भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, प्रथम विश्व युद्ध में भारत का योगदान, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और आईएनए तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल से संबंधित हैं।

उन्होंने दिल्ली के पुराने किले, कुतुब मीनार, खजुराहो मंदिर समूह, कोणार्क का सूर्य मंदिर, हम्पी मंदिर समूह, तमिलनाडु के महाबलीपुरम, हैदराबाद का गोलकुंडा किला, महाराष्ट्र के अजंता एवं अलोरा की गुफाएं, आगरा के फतेहपुर सीकरी के संरक्षण और वहां पर्यटकों की सुविधाओं के लिए किये जा रहे विभिन्न कार्यों की जानकारी दी।

बीस वर्ष की आयु में व्यक्ति का जो चेहरा रहता है, वह प्रकृति की देन है, तीस वर्ष की आयु का चेहरा जिंदगी के उतार-चढ़ाव की देन है लेकिन पचास वर्ष की आयु का चेहरा व्यक्ति की अपनी कमाई है -अष्टावक्र

कश्मीर की समस्या

राष्ट्र सिद्धांत के आधार पर भारत से अलग होकर पाकिस्तान का निर्माण और जम्मू-कश्मीर सूबे का भारत में विलय, ये दोनों राजनीतिक घटनाएं अब तक नई दिल्ली के लिए सिरदर्द बनी हुईहैं। कश्मीर में जिस तरह से पाकिस्तान अलगाववादी शक्तियों को बढ़ावा देता आ रहा है, उसे देखते हुए कश्मीर की समस्या को पाकिस्तान से अलग करके नहीं देखा जा सकता। जम्मू-कश्मीर भारत के लिए विशेष महत्त्व रखता है और इसीलिए कश्मीर में होने वाली किसी भी घटना से पूरा देश प्रभावित होता है। लेकिन पिछले दिनों नेशनल कांफ्रेंस के वरिष्ठ विधायक अकबर लोन ने जिस ढीठ अंदाज में विधान सभा के भीतर ''पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए, उसके खिलाफ पूरे देश में जिस तरह की तीव्र प्रतिष्ठिया होनी चाहिए थी, वैसी हुई नहीं। यह चौंकाने वाली घटना है। शायद यह पहली ऐसी घटना है, जब किसी विधायक ने सदन के भीतर पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाए और उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहां भाजपा और पीडीपी की मिली जुली सरकार है। कवींद्र गुप्ता विधान सभा के अध्यक्ष हैं और उन्होंने पाकिस्तान के समर्थन में नारा लगाने वाले विधायक अकबर लोन के खिलाफ कोई कार्रवाईनहीं की। केंद्रीय गृह मंत्री ने इस घटना का कोईसंज्ञान लिया हो, इसकी भी कोईठोस जानकारी नहीं मिल सकी है। हालांकि नेशनल कांफ्रेंस के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमर फारूख ने इस घटना से अपनी पार्टी को अलग कर लिया है। ऐसे में यह सवाल लाजिमी है कि क्या सिर्फ इतना कह देने भर से उनकी जिम्मेदारी पूरी हो जाती है? वाकई यह मसला सीधे तौर पर देशद्रोह से जुड़ा मसला है। इस विधायक के खिलाफ तुरंत कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के तुरंत बाद से ही इस सूबे की शल्य चिकित्सा निरंतर जारी है, लेकिन अब तक इसके कोई सार्थक परिणाम सामने नहीं आए हैं। कश्मीर जब भी शांत होने लगता है, पाकिस्तान उसे अशांत बना देता है। पिछले दिनों आतंकवादी बुरहान वानी के मारे जाने के बाद कश्मीर में नये सिरे से हिंसा भड़क उठी थी। इसमें पाकिस्तान का पूरा-पूरा हाथथा। पाकिस्तान की शह पर कश्मीर के अलगाववादियों ने जो उत्पात मचाया और जिस तरह से सुरक्षाबलों को पत्थरबाजों से निपटना पड़ा, वह जग जाहिर है। पाकिस्तान की दिक्कत है कि कश्मीर राग छेड़े बगैर वह उन समस्याओं को टाल नहीं सकता जो सीधे- सीधे जवाब मांगते हैं।

लूले-लंगड़े लोकतंत्र

पड़ोसी देश पाकिस्तान से अस्मां जहांगीर की शक्ल में एक बड़ा नाम हमारे बीच से रुखसत हो गया। बड़ा इस लिहाज से नहीं कि वह कोई धन्ना सेठ थीं, सैकड़ों एकड़ जमीन के मालिक भुट्टो खानदान की कोई वारिस थीं या वह नवाज शरीफ जैसे किसी बड़े सरमायेदार घराने की नुमाइंदगी करती थीं। इन सबका जिक्र यहां इसलिए जरूरी है कि पाकिस्तान जैसे सख्तजान मुल्क में सल्तनतें बनती और चलती हैं-सेना के बूते, वक्त- जरूरत उससे नूराकुश्ती के भी बीच..और ये घराने उस फन के उस्ताद हैं। अस्मां जहांगीर होने का मतलब वह औरत होना है, जिसने पाकिस्तान को हद में रहने की तमीज सिखाई, बताया कि आदमी बने रहने के लिए आदमी बने रहने की जरूरी शर्त्ते सुनिश्चित किए बगैर पाकिस्तानी सेना को बैरक से हमेशा बाहर रहने और आखेट करने से कोई ताकत कतई नहीं रोक सकती। जहां उसके जीवित रहने के हर हक्को-हुकूक की गारंटी मिले। पाकिस्तान में मानवाधिकार की बात करना कोई हंसी-ठट्ठा नहीं है। कल्पना कीजिए कि जिस मुल्क में जुल्फिकार अली भुट्टो के बाद लूले-लंगड़े लोकतंत्र के दीदार भी बड़ी मुश्किल से हुए हों, आदमी की जान हर पल किसी दहशतगर्द या फौज के सीधे निशाने पर हो, औरतें सबसे ज्यादा दुसह और जोखिम भरा, गैरबराबरी भरा जीवन जीती हों, वहां कोई औरत मानवाधिकार का पाठ पढ़ाए-यह काम क्या आसान है? जिन्ना के मुल्क की दो औरतों को उपमहाद्वीप हमेशा याद रखेगा-अस्मां और मुख्तारन माई। दोनों ने पाकिस्तानी इतिहास के बड़े ही खूरेजी दौर में न सिर्फ सवाल पूछे बल्कि जीने की गारंटी भी मांगी। इसकी मुहिम भी छेड़ी और काफी हद तक वे कामयाब भी रहीं। अस्मां पढ़ी-लिखी थीं, पेशे से वकील। मुख्तारन बिल्कुल घरेलू। लेकिन दोनों का चरित्र और लड़ने का जुनून लगभग एक जैसा। मुख्तारन अभी जीवित हैं। अस्मां चली गई। लेकिन जो लड़ाई उन्होंने छेड़ी और मानवाधिकार की जो आग उन्होंने उस फौजी मुल्क में बोई, उस साहस को सलाम।

सत्संग

प्रेम आधार कार्ड

समझने के लिए पहली जरूरत यह समझना है कि सारा जीवन ही रास है। जैसा मैंने कहा, सारा जीवन विरोधी शक्तियों का सम्मिलन है। चारों तरफ आंखें उठाएं तो रास के अतिरिक्त और क्या हो रहा है? आकाश में दौड़ते बादल हों, सागर की तरफदौड़ती सरिताएं हों, बीज फूलों की यात्रा कर रहे हों या भंवरे गीत गाते हों या पक्षी चहचहाते हों या मनुष्य प्रेम करता हो या ऋण और धन विद्युत आपस में आकर्षित होती हों या स्त्री और पुरुष की निरंतर लीला और प्रेम की कथा चलती हो, इस पूरे फैले हुए विराट को हम देखें तो रास के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं हो रहा। रास बहुत कॉस्मिक अर्थ रखता है। इसके बड़े विराट जागतिक अर्थ हैं। पहला तो यही कि इस जगत के विनियोग में, निर्माण में, सृजन में जो मूल आधार है, वह विरोधी शक्तियों के मिलन का आधार है। एक मकान हम बनाते हैं, एक द्वार हम बनाते हैं, तो द्वार में उलटी ईटें लगा कर आर्च बन जाता है। एक दूसरे के खिलाफ लगीं ईटें पूरे भवन को सम्हाल लेती हैं। हम चाहें तो एक सी ईंटें लगा सकते हैं। तब द्वार नहीं बनेगा और भवन नहीं उठेगा। शक्ति दो हिस्सों में विभाजित हो जाती है, तो खेल शुरू हो जाता है। शक्ति का दो हिस्सों में विभाजित हो जाना ही जीवन की समस्त पतरे, समस्त पहलुओं पर खेल की शुरुआत है। शक्ति एक हो जाती है, खेल बंद हो जाता है। जीवन दो विरोधियों के बीच खेल है। ये विरोधी लड़ भी सकते हैं, तब युद्ध हो जाता है। मिल भी सकते हैं, तब प्रेम हो जाता है। लेकिन लड़ना हो कि मिलना हो, दो की अनिवार्यता है। सृजन दो के बिना मुश्किल है। कृष्ण के रास का क्या अर्थ होगा इस संदर्भ में? इतना ही नहीं है काफी कि हम कृष्ण को गोपियों के साथ नाचते हुए देखते हैं। कृष्ण का गोपियों के साथ नाचना उस विराट रास को छोटा-सा नाटक है, उस विराट का एक आणविक प्रतिबिंब है। वह जो समस्त में चल रहा है नृत्य, उसकी छोटी-सी झलक है। इसके कारण ही संभव हो पाया कि उस रास का कोई कामुक अर्थ नहीं रह गया। उस रास का कोई सेक्सुअल मीनिंग नहीं है। ऐसा नहीं है कि सेक्सुअल मीनिंग के लिए, कामुक अर्थ के लिए कोई निषेध है। लेकिन बहुत पीछे छूट गई वह बात। कृष्ण, कृष्ण की तरह वहां नहीं नाचते हैं, कृष्ण वहां पुरु ष तत्व की तरह ही नाचते हैं। गोपिकाएं स्त्रियों की तरह वहां नहीं नाचती हैं, गहरे में वे प्रकृति ही हो जाती हैं। प्रकृति और पुरुष का नृत्य है वह।

द्विपक्षीय संबंधों को एक नया आयाम

प्रधानमंत्री की फिलस्तीन यात्रा उनकी इस्त्रयल यात्रा से उपजे प्रभावों की क्षतिपूर्ति करने का प्रयास करती नजर आ रही है। फिलस्तीन भारत केवल आवासन ही नहीं चाहता, बल्कि उसकी अपेक्षा है कि भारत इस्त्रयल पर राजनैतिक दबाव बनाए और यरुशलम में इस्त्रयल द्वारा अवैध बस्तियों के निर्माण के बारे में कुछ कहे। दरअसल, भारत के सामने यहां पर बड़ा प्रश्न है कि अपनी रक्षा और सुरक्षा को पुख्ता करने तथा हिन्द महासागर में चीनी ताकत को काउंटर करने के लिए इस्त्रयल के साथ रणनीतिक साझेदारी स्थापित करे, अपनी कृषि अर्थव्यवस्था के सुधार में इस्त्रयल से सहयोग ले या फिलस्तीन को उसका मौलिक अधिकार दिलाने के लिए इस्त्रयल पर दबाव बनाए।

सतीश पेडणोकर

अरब दुनिया और भारत के बीच इतिहास से वर्तमान तक संबंधों में निरंतरता बनी हुई है। लेकिन बावजूद इसके संबंधों में निकटता व खिंचाव का अक्स देखा जा सकता है। विचार करने की जरूरत है कि खिंचाव हमारी विदेश नीति में मौजूद खामियों का हिस्सा हैं, या नियंतण्र कूटनीति में होने वाले परिवर्तनों के साथ संतुलन न बनने का परिणाम? यह भी है कि भारत फॉर्वड एवं फास्ट ट्रैक पर चले या संतुलन की विदेश नीति पर? वैश्वीकरण के युग में नियंतण्र राजनय में दो विकल्प मान्य होते दिख रहे हैं-प्रथम चीन की चेक डिप्लोमेसी और द्वितीय अमेरिका का पावर गेम।

भारत इनका अनुसरण करे या फिर कोई तीसरा विकल्प खोजे? प्रधानमंत्री की खाड़ी के तीन देशों-फिलस्तीन, यूएई और ओमान की चार दिन की यात्रा के दौरान भारत और खाड़ी देशों के बीच व्यापार, निवेश, सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ सहयोग, ऊर्जा समेत कई महत्वपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों को एक नया आयाम तो दिया ही जाना था, और इसके साथ ही संबंधों में पुनर्संतुलन स्थापित करने के साथ-साथ क्षतिपूरक प्रभाव वाली व्यवस्था भी करनी थी। इस यात्रा की शुरुआत में प्रधानमंत्री रामल्ला (फिलस्तीन) पहुंचे। दोनों देशों के बीच पांच करोड़ डॉलर यानी करीब 325 करोड़ रुपये के छह समझौते हुए। प्रधानमंत्री ने संयुक्त बयान में स्पष्ट किया कि भारत फिलस्तीन की शांति और संप्रभुता के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन फिलस्तीन सिर्फ इतने की अपेक्षाएं यहीं तक सीमित नहीं हैं।

गौर से देखें तो प्रधानमंत्री की फिलस्तीन यात्रा उनकी इस्त्रयल यात्रा से उपजे प्रभावों की क्षतिपूर्ति करने का प्रयास करती नजर आ रही है। फिलस्तीन भारत केवल आवासन ही नहीं चाहता, बल्कि उसकी अपेक्षा है कि भारत इस्त्रयल पर राजनैतिक दबाव बनाए और यरुशलम में इस्त्रयल द्वारा अवैध बस्तियों के निर्माण के बारे में कुछ कहे। दरअसल, भारत के सामने यहां पर बड़ा प्रश्न है कि अपनी रक्षा और सुरक्षा को पुख्ता करने तथा हिन्द महासागर में चीनी ताकत को काउंटर करने के लिए इस्त्रयल के साथ रणनीतिक साझेदारी स्थापित करे, अपनी कृषि अर्थव्यवस्था के सुधार में इस्त्रयल से सहयोग ले या फिलस्तीन को उसका मौलिक अधिकार दिलाने के लिए इस्त्रयल पर दबाव बनाए। भारत इस फ्रंट पर कुछ कदम आगे और कुछ पीछे हटने की नीति पर चल रहा है। ध्यान रहे कि कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यरुशलम को इस्त्रयल की राजधानी मानने की घोषणा की थी, और संयुक्त राष्ट्र में को लेकर वोटिंग हुई तो भारत ने फिलस्तीनियों के पक्ष में मत दिया था। जुलाई, 2015 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में इस्त्रयल के खिलाफ निंदा प्रस्ताव की वोटिंग से खुद को अलग रखा जबकि इस्त्रयल चाहता था कि भारत प्रस्ताव का समर्थन न करे। फिलहाल, इन दोनों मुद्दों पर इस्त्रयल भारत से नाराज हुआ था। प्रधानमंत्री जब इस्त्रयल गए थे, तो कुछ घंटों के लिए फिलस्तीन जा सकते थे लेकिन सिर्फ इसलिए नहीं गए कि इस्त्रयल को खुश करना था। अब उन्हें फिलस्तीन जाना पड़ा। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी पिछले वर्ष जब इस्त्रयल यात्रा पर गए थे तब स्पष्ट किया गया था कि भारत का इस्त्रयल और फिलस्तीन के साथ रिश्ता ''डी-हाइफनेटेड' हो जाएगा यानी दोनों देशों के साथ हम अलग-अलग और स्वतंत्र रूप से संबंध बनाए रखेंगे। यूएई में 26 लाख भारतीय मुसलमानों की मजबूत और बड़ी आबादी, जो यूएई की आबादी की करीब 30 प्रतिशत है, के बावजूद भारत लंबे समय तक अच्छी साझेदारी नहीं कर सका। ध्यान रहे कि 1970 के दशक से अरब देशों का जिस तरह से इस्लामीकरण हुआ और पाकिस्तान ने जिस तरह से उसका लाभ उठाया, वह भारत के लिए नुकसानदेह साबित हुआ। भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने 2017 में व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। अब और 12 समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं, जिससे दोनों के पारस्परिक लाभ के रिश्तों को और गति मिलेगी।

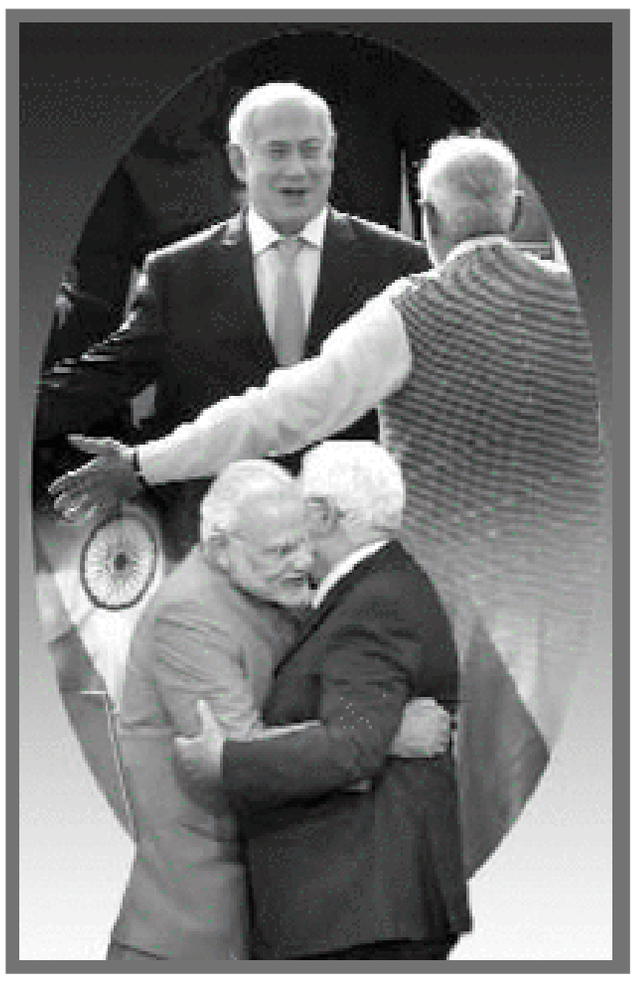

यहीं पर प्रधानमंत्री ने ''वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट' के छठे संस्करण में हिस्सा लिया जहां उन्होंने मानवता और प्रति के सह-अस्तित्व पर चर्चा की तथा ''6 आर' का मंत्र दिया, जैसा कि वे प्राय: देते हैं। इस 6 आर में एक आर-रिडयूस (कम करना) है, दूसरा-रीयूज (दोबारा उपयोग), तीसरा-रिसाइकिल (पुनर्चक्रण), चौथा-रिकवर (सुधार लाना), पांचवां-रिडिजाइन (दोबारा डिजाइन करना) और छठा- रि-मैन्युफैक्चर (पुनर्विनिर्माण)। जहां तक ओमान का सवाल है तो ओमान भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि जब ओमान के सुल्तान कबूस बिन सैद अल-सैद ने जुलाई, 1970 में सत्ता अपने हाथों में ली तो उस समय दो ही देशों के साथ उनके कूटनीतिक रिश्ते बने थे, और ये देश थे-भारत और ब्रिटेन। लेकिन ईरानी क्रांति के बाद ओमान इस्लामी शासन के प्रभाव से बचना चाहता था क्योंकि उसकी आबादी में 40 फीसदी सुन्नी हैं। इसलिए उसने सऊद अरब और ईरान के बीच खिंची विभाजक रेखा के एक तरफ होना स्वीकार कर लिया यानी ईरान के साथ चला गया। खास बात यह रही कि ओमान पाकिस्तान के साथ संबंध रखने के बावजूद भारत के पक्ष में रहा। लेकिन पिछले डेढ़ दशक में भारत और ओमान के बीच दूरियां बढ़ गई। मोटे तौर पर इसलिए कि भारत की ओमान के प्रति उदासीनता और अवहेलना रही। फिलहाल, प्रधानमंत्री की यात्रा में रिफॉर्म, रिबैलेंसिंग, रिअवेकनिंग और रिबॉण्डिंग जैसी विशेषताएं दिख रही हैं, जो प्रतिफलित होती हैं, तो भारत लाभांश की स्थिति में रहेगा। भारत की जरूरत भी है कि खाड़ी देशों से रिश्तों के बॉण्ड मजबूत कर हिन्द महासागर में उभरने वाली चुनौतियों को काउंटर करने की रणनीति पर चले। जरूरी है कि इंडियन ओशियन रिम एसोसिएशन (इंडियन ओशियन रिम इनीशिएटिव) को (विशेषकर ओमान व संयुक्त राज्य अमीरात जैसे सदस्यों के संदर्भ में) सुधार के जरिए ऐसा मंच बनाने की कोशिश हो जिससे भारत को हिन्द महासागर में शक्ति संतुलन स्थापित करने और बढ़ने का अवसर मिले।

चलते चलते

''धरती पर गंदगी'

रिश्ते को निम्नलिखित तरीके से व्याख्यायित किया जा सकता है। प्रेम में आधार कार्ड प्रेम में कई बार बेवफाई, धोखाधड़ी की शिकायतें आती हैं। केंद्र सरकार जब हर डील, हर काम से आधार कार्ड को जोड़ रही है, तो ऐसे में प्रेम को भी आधार कार्ड से जोड़ दिया जाना चाहिए। प्रेम से आधार कार्ड को जोड़कर प्रेम में धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया जा सकता है।

तकनीक और प्रेम-विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में जिस छात्र को पहला पुरस्कार मिला है, उसका निबंध इस प्रकार है-नयी तकनीकों और प्रेम का गहरा रिश्ता है। इस रिश्ते को निम्नलिखित तरीके से व्याख्यायित किया जा सकता है। प्रेम में आधार कार्ड प्रेम में कई बार बेवफाई, धोखाधड़ी की शिकायतें आती हैं। केंद्र सरकार जब हर डील, हर काम से आधार कार्ड को जोड़ रही है, तो ऐसे में प्रेम को भी आधार कार्ड से जोड़ दिया जाना चाहिए। प्रेम से आधार कार्ड को जोड़कर प्रेम में धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया जा सकता है। होगा यूं कि एक प्रेम के पंजीकरण के बाद प्रेमी जो भी व्हाट्सअप मैसेज, ईमेल मैसेज वगैरह किसी और अन्य प्रेम कांड के तहत भेजेगा, वे ऑटोमेटिक खुद ब खुद उसकी पंजीकृत प्रेमिका के पास जाया करेंगे। इस तरह से हम आधार कार्ड के सम्यक इस्तेमाल से प्रेम में पारदर्शिता ला सकते हैं। प्रेम में कैशलैसजैसा कि इधर देखने में आता है कि सरकार कैशलैस पर बहुत जोर देती है। सरकार की पहल से बहुत पहले मतलब बहुत पहले से भी बहुत पहले से प्रेम नौजवानों को कैशलैस बना रहा है। प्रेम में पड़ा बंदा बेवकूफ हो जाता है। खुद को ही नहीं, अपने समूचे परिवार को कैशलैस बनाने की सामर्य रखता है। दिनों पहले ऐसे नवयुवक की खबर आई जिसने प्रेमिका को गिफ्ट करने के लिए पिता की दुकान का सारा कैश चुरा लिया। मां के सारे गहने चुरा लिए। अपने परिवार को सिर्फ कैश लैस ही नहीं, गहनालैस भी कर दिया। एक रिपोर्ट आई कि इंजीनियरिंग में पढ़ रहे एक छात्र ने अपनी कई सारी प्रेमिकाओं को गिफ्ट देने के लिए चैन-स्नैचिंग का धंधा शुरू किया। पुलिस ने उसे धर दिया। इंजीनियरिंग का छात्र इंजीनियर की डिग्रीलैस हो गया। उसके घरवालों को कुछ होशियार लोग सांत्वना दे रहे हैं कि कोई बात नहीं-जेल में रहकर अगर कुछ ठीकठाक संपर्क विकसित कर पाया तो वह भविष्य में ठीकठाक नेता बन जाएगा और मंत्री वगैरह बनकर घराने का नाम रोशन कर देगा। खैर, कुल मिलाकर हम इन उदाहरणों से समझ सकते हैं कि कैशलेस में प्रेम की अप्रतिम भूमिका है।

फोटोग्राफी...

यह फोटो रूस की राजधानी मॉस्को का है। इसे हाल ही में तब क्लिक किया गया, जब पूरे शहर में जबर्दस्त बर्फबारी हुई और इसके बावजूद लोग सड़कों पर सैर करने नि कले थे। मुख्य बाजार खुले थे यानी कोई बड़ी आपदा वाली बात नहीं थी। सामान्य तौर पर सर्दियों में मॉस्को का नजारा अलग होता ही है, हर तरफ बर्फ दिखाई देती है लेकि न जब कभी ज्या दा बर्फबारी हो जाती है तो शाम के वक्त ऐसा नजारा बनता है। वहीं की युवा फोटोग्राफर क्रिस्टीना मैके एव ने यह फोटो क्लिक कि या है। उन्होंने कहा कि अन्य लोगों की तरह मैं भी सैर करने नि कली थी, लेकिन वातावरण देखकर ऐसा लगा कि यहां कैमरा निकाल लेना चाहिए। वे कहती हैं, मॉस्को में जब ऐसी बर्फबारी होती है तो यह शहर विंटर वन्डरलैंड बन जाता है। instagram.com

अच्छे और बुरे कर्मो के फल

संसार के हर धर्म में धारणा है कि ईर ने अच्छे और बुरे कर्मो के फल भुगतने के लिए स्वर्ग और नर्क बनाया है। लेकिन हमारी सरकारों ने नारकीय जीवन को साकार करने के लिए जेलों के रूप में नर्क का सृजन कर ईर से वह विशेषाधिकार छीन लिया है। जिन बंदियों का आरोप सिद्ध न हुआ हो उनको भी सरकारी जेलें नर्क का अनुभव करा रही हैं। बंदियों को न तो भरपेट भोजन मिलता है, और ना ही व्याधि की स्थिति में उनकी पीड़ा कम करने की कोई व्यवस्था है। भीड़ के कारण बंदियों को सोने का तक पूरा समय नहीं मिल पाता।वर्तमान में उत्तराखंड की कुल 11 जेलों में 4815 कैदी बंद हैं, जबकि स्वीकृत क्षमता केवल 3378 बंदियों की है। विचाराधीन कैदियों को दोष सिद्ध होने तक निदरेष माना जाता है। यह प्राकृतिक न्याय का भी सिद्धांत है। आज भी किसी भी जेल में कोई नियमित डॉक्टर तैनात नहीं है। जेलों में 15 स्वीकृत पदों में से केवल 7 फार्मासिस्ट तैनात हैं। 2000 में राज्य के गठन के बाद वर्ष 2016 तक के 16 सालों में राज्य की जेलों में 188 बंदी अपनी जानें गंवा चुके थे। हैरानी का विषय यह है कि इनमें से ज्यादातर कुपोषण के कारण तपेदिक से मरे। टीबी के मरीजों के अलावा एड्स के मरीज भी मौजूद हैं। राज्य गठन के बाद 16 सालों के बाद हरिद्वार जेल में 67 बंदी मर गये। इसी तरह देहरादून की सुद्धोवाला तथा पुरानी जेल में 62, हल्द्वानी की जेल में 32, सितारगंज में 18 और रुड़की जेल में 7 बंदियों की मौत हुई। भरपेट भोजन न मिलने से भी बंदी कुपोषण के शिकार हो रहे हैं। जेल विभाग से मिली एक सूचना के अनुसार प्रदेश की जेलों में एक बंदी पर सुबह का नाश्ता, दिन का भोजन, चाय और रात के भाजन पर सरकार का 35 से लेकर 40 रुपये तक खर्च होता है। वहां विचाराधीन बंदियों को सुबह 10 बजे अदालत पहुंचाने के लिए सुबह 8 या 9 बजे ही गाड़ियों में बिठा दिया जाता है, और शाम ढले जेल पहुंचने पर ही भोजन नसीब हो पाता है। टिहरी जेल से मिली एक आरटीआई सूचना के अनुसार एक बंदी को प्रति दिन चाय के लिए 50 ग्राम, नाश्ते के लिए 40 ग्राम तथा दोनों वक्त के भोजन के लिए 525 ग्राम लकड़ी उपलब्ध करायी जाती है। सोमवार से लेकर रविवार तक बंदियों के लिये राशन तय है, जिसमें सेमवार को एक बंदी को 90 ग्राम वजन की पाव रोटी या बन और 45 ग्राम गुड़, भोजन में 45 ग्राम अरहर की दाल, सायंकाल के भोजन के लिए 45 ग्राम उड़द की दाल दी जाती है। इस राशन में आधा ग्राम मिर्च, 2 ग्राम नमक, 1 ग्राम तेल और 2 ग्राम आमचूर भी दिया जाता है। जेल प्रशासन को भी पता नहीं कि बड़ी संख्या में बंद सांस रोगी या तपेदिक कहीं एचआईवी से संक्रमित तो नहीं हैं। सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी के अनुसार टिहरी जेल में एक कैदी एड्स संक्रमित है जबकि एक अन्य की तपेदिक के कारण फेफड़ा फट जाने से मौत हो चुकी है।

टिहरी जेल में ही एक बंदी गंभीर सांस रोग से पीड़ित है। रुड़की जेल में क्षय रोग से एक की मौत की पुष्टि हुई है और एक अन्य की लीवर सिरोसिस से। हल्द्वानी उपकरागार में तपेदिक से दो कैदी पीड़ित हैं। चमोली के पुरसाड़ी कारागार में एक कैदी की मौत कैंसर से हुई। हरिद्वार जेल में 67 बंदियों की मौतों के बाद भी 2 कैदी तपेदिक से पीड़ित हैं। देश में आजादी के बाद जेल सुधार की दिशा में कई समितियां बनाई गईं। इनमें मुख्य रूप से वर्ष 1983 में मुल्ला समिति, 1986 में कपूर समिति, 1987 में बनी अय्यर समिति थी। लेकिन इन सारी समितियों के सुझावों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। मगर आज भी जेल सुधार की दिशा में कोई ठोस पहल शुरू न होना दर्शाता है कि हमारी राज व्यवस्था पाप से नहीं बल्कि पापी से घृणा करती है।

रोटरडम में इतिहास रचने उतरेंगे फेडरर

रोटरडम। टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर ने कहा है कि वह इस सप्ताह यहां शुरू हो रहे रोटरडम टूर्नामेंट के जरिए विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचना चाहते हैं और अगर ऐसा होता है तो यह ऐसा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हो जाएंगे । छत्तीस बरस के फेडरर को नंबर वन की रैंकिंग फिर हासिल करने के लिए यहां सेमीफाइनल तक पहुंचना होगा। इसके लिए उन्हें क्वार्टर फाइनल में स्टान वावरिंका को हराना पड़ेगा। हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के जरिए 20वां ग्रैंडस्लैम जीतने वाले फेडरर ने कहा कि मैं फिर वहां पहुंचना चाहूंगा, लेकिन स्टान के खिलाफ यह ग्रैंडस्लैम फाइनल से कम नहीं होगा। यह बड़ा मैच होगा। उन्होंने कहा कि मैं फिर से नंबर वन तक पहुंचना चाहता हूं और इसी सप्ताह, लेकिन यह उतना भी आसान नहीं है। इस बीच तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने स्पेन के डेविड फेरर को 6-4, 6-3 से शिकस्त दी।

कतर ओपन के पहले दौर से बाहर हुई मारिया शारापोवा

दोहा। पांच बार की ग्रैंडस्लैम विजेता मारिया शारापोवा कतर ओपन के पहले दौर में मोनिका निकूलेस्कू से हारकर बाहर हो गई। दुनिया की 92वें नंबर की खिलाड़ी निकूलेस्कू रूसी धुरंधर से रैंकिंग में 51 पायदान पीछे है। उसने 4-6, 6-4 , 6-3 से जीत दर्ज की। शारापोवा ने मैच में 52 सहज गलतियां की जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी ने 17 गलतियां की। दुनिया की 30वें नंबर की खिलाड़ी डोमिनिका सिबुलकोवा ने रूस की अनास्तासिया पी को 7-6, 6-4 से हराया।

फेड कप का प्रदर्शन बहुत उत्साहजनक रहा : सानिया मिर्जा

नयी दिल्ली। दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा को लगता है कि फेड कप में अंकिता रैना का प्रदर्शन शानदार था लेकिन टीम को अगले दौर में पहुंचना चाहिए था। भारतीय टीम पिछले सप्ताह रेलिगेशन प्लेआफ में चीनी ताइपे को 2-0 से हराकर एशिया ओशियाना ग्रुप एक में जगह बरकरार रखने में सफल रही। इससे पहले प्रतियोगित में भारत को चीन और कजाखस्तान से हार का सामना करना पड़ा था। सानिया ने यहां कहा, ''हम हमेशा खाली हाथ वापस आए हैं। युवा कौशल में जबरदस्त प्रगति के बाद भी हम अगले स्तर में नहीं पहुंच पा रहे हैं। हम इसे हासिल नहीं कर पा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह देखना काफी उत्साहजनक है कि आंकिता ने दो बार रैंकिंग में शीर्ष सौ में शामिल खिलाड़ियों को मात दी। टीम भले ही मैच हारी हो लेकिन आपको उसमें से हर सकारात्मक पहलू को देखना चाहिए।'' जब पूछा गया कि भविष्य की सानिया बनने की क्षमता किसमें हैं तो उन्होंने कहा कि युवा खिलाड़ियों के लिए उनके प्रदर्शन को मापदंड नहीं बनाया जाना चाहिये। । चोट के कारण कोर्ट से दूर रहने की वजह से युगल रैंकिंग में 14वें स्थान पर खिसकी सानिया ने कहा, ''कई साल से मेरे से पूछा जा रहा है कि भविष्य की सानिया कौन हो सकती हैं और मैंने हमेशा कहा है कि अगली सानिया क्यों? क्यों ना सानिया से अच्छा बनने की कोशिश करें- सिर्फ सानिया क्यों।'' उन्होंने युवाओं को लगातार कड़ी मेहनत करने की सलाह दी। ग्रैंडस्लैम के छह खिताब जीत चुकी सानिया ने इस खेल की दिग्गज सेरेना विलियम्स और मारिया शारापोवा की वापसी पर कहा, ''सेरेना के अलावा महिला टेनिस में कभी भी किसी एक खिलाड़ी का दबदबा नहीं रहा है। उनके अलावा हर कोई बराबर दावेदार होता है। जब भी सेरेना हारती है तो टूर्नामेंट जीतने के कई दावेदार होते हैं।'' उन्होंने कहा, '' महिला टेनिस में काफी गहराई है इसलिए आप ऐसा देखते हैं कि ज्यादा रैंकिंग की खिलाड़ी भी विश्व रैंकिंग में पांचवें या दूसरे स्थान पर काबिज खिलाड़ियों को हरा देती हैं। सेरेना वापसी करेंगी और मुझे लगता है कि वह टेनिस इतिहास की सबसे महान खिलाड़ी हैं।''

चोट के कारण झूलन गोस्वामी टी20 श्रृंखला से बाहर

पोशेफ्स्ट्रम। एड़ी की चोट के कारण भारत की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आज यहां शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 श्रृंखला नहीं खेल सकेगी। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा ,''झूलन को एड़ी में चोट लगी है और उसका आज एमआरआई कराया गया।'' इसमें कहा गया ,''बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने स्थानीय डाक्टर से सलाह के बाद यह पाया कि उसे कुछ सप्ताह आराम की जरूरत है। वापसी के बाद वह पैरों के विशेषज्ञ से बात करेगी और बेंगलूरू में एनसीए में रिहैबिलिटेशन शुरू करेगी।'' गोस्वामी ने तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में पांच विकेट लिये। वह तीसरा और आखिरी वनडे नहीं खेल सकी थी।

भारत/दक्षिण अफ्रीका : भारत ने दिया 275 रन का लक्ष्य

पोर्ट एलिजाबेथ (एजेंसी)।

सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा (115) के करियर की 17वीं शतकीय पारी की मदद से भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांचवें वनडे मैच में सात विकेट पर 274 रन बनाए। शिखर धवन 23 गेंदों में 34 रन बनाकर रबादा का शिकार हुए। रोहित 115 रन बनाकर नगिडी का शिकार हुए। वहीं हार्दिक पांड्या खाता खोले बिना ही आउट हुए। कप्तान विराट कोहली 36 रन बनाकर रन आउट हुए। रहाणे भी आठ रन बनाकर रन आउट हुए। रोहित ने अपने वनडे करियर का 17वां शतक 107 गेंदों में बनाया। इस दौरान उन्होंने 11 चौके और 4 छक्के लगाए। उन्हें 96 रन पर जीवनदान भी मिला। जब रबादा की गेंद पर शम्सी ने उनका आसान कैच टपकाया। इससे पहले मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका ने पांचवें वनडे के लिए अपनी टीम में एक बदलाव किया है। मेजबान टीम ने तेज गेंदबाज क्रिस मॉरिस की जगह लेफ्ट आर्म स्पिनर तबरैज शम्सी को अंतिम एकादश में शामिल किया है। वहीं भारतीय टीम ने अपनी अंतिम एकादश में कोई बदलाव नहीं किया है।

युवराज फेल, लेकिन पंजाब जीता

अलुर। आईपीएल से पहले अपने फार्म की तलाश में लगे स्टार बल्लेबाज युवराज सिंह मात्र सात रन बनाकर लुढक़ गए, लेकिन उनकी टीम पंजाब ने असम को विजय हजारे ट्रॉफी ग्रुप-ए मैच में मंगलवार को 69 रन से पीट दिया।

कप्तान युवराज 11 गेंदों में सात रन ही बना सके, लेकिन पंजाब ने मनन वोहरा के 78, अभिषेक गुप्ता के 53, अभिषेक शर्मा के 30 और बरिन्दर शरण के 38 रन की बदौलत 50 ओवर में नौ विकेट पर 275 रन का मजबूत स्कोर बना लिया। इसके जवाब में असम की टीम 41.4 ओवर में 206 रन पर सिमट गई। ओपनर रियान पराग ने सर्वाधिक 59 रन बनाए। कप्तान गोकुल शर्मा ने 41 और परवेज अजीज ने 30 रन बनाए। मयंक मरकांडे ने 39 रन पर तीन विकेट लिए। पंजाब की पांच मैचों में यह तीसरी जीत है जबकि असम की यह लगातार चौथी हार है।

कर्नाटक ने ओड़िशा को हराया

बेंगलुरु। सलामी बल्लेबाजों मयंक अग्रवाल (102) और करुण नायर (100) के शतक और दोनों के बीच 190 रन की साझेदारी के दम पर कर्नाटक ने विजय हजारे ट्राफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के ग्रुप ए के मैच में ओड़िशा को 133 रन से करारी शिकस्त दी।कर्नाटक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में छह विकेट पर 353रन बनाने के बाद जगदीश सुचिथ के पांच विकेट के बूते ओड़िशा को 41 ओवर में 220 रन पर ऑल आउट कर दिया।

विलियमसन के अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को हराया

वेलिंगटन (एजेंसी)।

कप्तान केन विलियमसन ने अपने आलोचकों को शांत करते हुए अर्धशतक जड़ा जिसकी बदौलत न्यूजीलैंड ने टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला के चौथे मैच में इंग्लैंड को 12 रन से हराकर उसकी फाइनल में जगह बनाने की उम्मीद धूमिल कर दी। न्यूजीलैंड की ओर से विलियमसन ने 46 गेंद में सर्वाधिक 72 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल ने भी 65 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 196 रन बनाए। इंग्लैंड की टीम इसके जवाब में नौ विकेट पर 184 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड ने इस जीत के साथ लगातार तीन हार के क्रम को भी तोड़ा। पिछले दो मैचों मे आस्ट्रेलिया के खिलाफ शिकस्त के बाद जोस बटलर की टीम अब तक टूर्नामेंट में कोई मैच नहीं जीत सकी है। न्यूजीलैंड के पास अब शुक्रवार को आकलैंड में आस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में जगह बनाने का मौका होगा। न्यूजीलैंड की ओर से हांगकांग के पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मार्क चैपमैन ने पदार्पण करते हुए 13 गेंद में 20 रन बनाए। वेस्टपैक स्टेडियम की छोटी बाउंड्री को देखते हुए लक्ष्य हासिल किया जा सकता था लेकिन डेविड मलान (59) और सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स (47) के अलावा टीम का कोई अन्य बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 66 रन भी जोड़े। न्यूजीलैंड की ओर से ट्रेंट बोल्ट, मिशेल सेंटनर और ईश सोढ़ी ने दो-दो विकेट चटकाए।

राजस्थान रायल्स के मेंटर के रूप में वार्न की आईपीएल में वापसी

नयी दिल्ली। पहले सत्र में राजस्थान रायल्स को खिताबी जीत दिलाने वाले आस्ट्रेलिया के महान स्पिनर शेन वार्न दस साल बाद इसी टीम के मेंटर के रूप में आज इंडियन प्रीमियर लीग में लौटे। वार्न 2008 में राजस्थान रायल्स के कप्तान और कोच थे जब बड़े सितारों के बिना भी टीम ने खिताब जीतकर सभी को चौका दिया था। दो साल के प्रतिबंध के बाद लौटे रायल्स ने वार्न की वापसी की घोषणा की। वार्न ने कहा,''मैं राजस्थान रायल्स में वापसी करके बहुत खुश और उत्साहित हूं। इस टीम का मेरे क्रिकेट के सफर में विशेष स्थान है। मैं टीम और इसके प्रशंसकों से मिले स्नेह से भावविभोर हूं।'' उन्होंने कहा ,'हमारे पास युवा और उत्साही खिलाड़ियों का अच्छा समूह है और मुझे उनके साथ काम करने का इंतजार है।'' वार्न ने 2008 से 2011 तक रायल्स की कप्तानी की और 52 मैचों में 56 विकेट लिये। उनके साथ मुंबई के पूर्व बल्लेबाज जुबिन भरूचा टीम के क्रिकेट प्रमुख होंगे। रायल्स के मालिक मनोज बदाले ने कहा ,'' वह खेल के लीजैंड है और राजस्थान रायल्स के लिये उनकी उपलब्धियां अप्रतिम हैं। हम संकट के दौर में भी हमारा साथ देने वाले अपने प्रशंसकों के लिये उन्हें वापिस लाये हैं।'' टीम में आस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ और भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे भी है।

इस कारण राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगी दीपा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रियो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहकर शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय महिला जिमनास्ट दीपा करमाकर घुटने की चोट के कारण इस वर्ष चार अप्रैल से शुरू होने वाले गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। 24 साल की दीपा 2014 में ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय जिमनास्ट हैं। दीपा को पिछले साल अप्रैल में एशियाई चैंपियनशिप के दौरान अभ्यास सत्र के समय यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में घुटने में चोट लग गई थी। त्रिपुरा की दीपा उसके बाद से अभी तक चोट से उबर रही है और एक भी प्रतियोगिता में नहीं खेल पाई हैं। चोट के कारण ही वह एशियाई चैंपियनशिप में भी भाग नहीं ले सकीं थीं और अब यहां सोमवार से शुरू हुए तीन दिवसीय चयन ट्रॉयल में हिस्सा नहीं ले पाईं। दीपा के कोच और द्रोणाचार्य अवार्डी बिश्वेश्वर नंदी ने मंगलवार को एक अंग्रेजी दैनिक से कहा कि हां, वह राष्ट्रमंडल खेलों में भाग नहीं ले पाएंगी। वह अभी 95 प्रतिशत से ही चोट से उबर सकी है, लेकिन पूरी तरह नहीं।

विकेटकीपिंग के 'माही-वे' का है अपना साइंस, रिसर्च हो तो खुलेंगे कई राज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

क्रिकेट में विकेटकीपर का काम शायद सबसे कठिन होता है. विकेटकीपर को बेहद एकाग्रता से पूरे खेल पर नजर रखनी होती है. टीम में विकेटकीपर की पोजिशन की सबसे ज्यादा मांग होती, लेकिन विकेटकीपर होने के लिए फिटनेस, कंसन्ट्रेशन और फुर्ती की जरूरत होती है. यूं तो भारत इस मामले में हमेशा से ही भाग्यशाली रहा है कि उसके पास हर फील्ड में अच्छे खिलाड़ी रहे हैं, विकेटकीपर भी इसका अपवाद नहीं है. टीम में कई शानदार विकेटकीपर रहे हैं. फिलवक्त टीम इंडिया की वनडे और टी-20 टीम में विकेटकीपिंग की कमान महेंद्र सिंह धोनी के हाथों में सुरक्षित है.

महेंद्र सिंह धोनी की स्टंपिंग के सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में फैन्स हैं. इंटरनेशनल क्रिकेट में जब स्टंपिंग या विकेटकीपर्स के नाम लिए जाते हैं, तो उनमें महेंद्र सिंह धोनी का नाम जरूर शुमार होता है. आज के दौर की बात करें तो माही के आस-पास भी कोई विकेटकीपर शायद नहीं ठहरता है. आज के दौर में वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वह बेस्ट विकेटकीपर हैं.

जब धोनी विकेटों के पीछे होते हैं तो बल्लेबाजों को भी खास ध्यान रखना पड़ता है, क्योंकि वह जानते हैं कि धोनी के ग्लव्स में गेंद समाने का मतलब है उनका पवेलियन लौटना. बल्लेबाज को अपने फुटवर्क और शॉट्स का खास ख्याल रखना पड़ता है, क्योंकि बल्लेबाज की छोटी-सी गलती और पलक झपकते ही धोनी गिल्लियों को उड़ा देते हैं.

महेंद्र सिंह धोनी की असाधारण कीपिंग और स्टंपिंग का यह आलम है कि जब भी वह विश्वास के साथ अपील करते हैं तो यह तय होता है कि बल्लेबाज निश्चित ही आउट है. आपको दूसरी बार इसे देखने की जरुरत ही नहीं होती है. टीम इंडिया के सबसे इस पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के नाम अब तक 771 शिकार दर्ज हैं. धोनी ने 316 वनडे मैचों में 295 कैच लपकने के साथ रिकॉर्ड 106 स्टंपिंग भी की हैं. इस लिस्ट में वह तीसरे नंबर पर हैं. इस लिस्ट में पहले नंबर पर मार्क बाउचर (998) और दूसरे नंबर एडम गिलक्रिस्ट (905) हैं.

धोनी की विकेटकीपिंग पर होनी चाहिए रिसर्च

ऐसे में टीम इंडिया के फील्डिंग कोच आर श्रीधर का मानना है कि महेन्द्र सिंह धोनी की विकेटकीपिंग शैली कभी भी विशुद्ध रूप से पारंपरिक नहीं रही है, लेकिन इसने उनके पक्ष में काम किया है. धोनी कीपिंग अभ्यास सत्र में ज्यादा भाग नहीं लेते, लेकिन करीबी स्टंपिंग और रनआउट करने में उन्हें महारथ हासिल है. श्रीधर ने कहा, ''धोनी की अपनी शैली है, जो उनके लिए काफी सफल हैं. मुझे लगता है हम उनकी विकेटकीपिंग शैली पर शोध कर सकते हैं और मैं इसे 'द माही वे' नाम देना चाहूंगा. उनकी शैली से कई चीजें सीखी जा सकती हैं, इतनी सारी चीजें जिसके बारे में युवा विकेटकीपर सोच भी नहीं सकते. वह अपने तरीके के अनूठे खिलाड़ी हैं जैसा क्रिकेटरों को होना चाहिए.''

कोच श्रीधर ने कहा, 'उनके हाथ कमाल के हैं. स्पिनरों के लिए वह सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर हैं. स्टंपिंग के लिए उनके हाथ बिजली से भी तेज चलते हैं. यह उनकी नैसर्गिक कला है जिसे देखना अद्भुत है.'

धोनी नहीं करते विकेटकीपिंग की प्रैक्टिस

हाल ही में खुद महेंद्र सिंह धोनी ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि वह आईपीएल के दौरान नेट्स पर विकेटकीपिंग की प्रैक्टिस नहीं करते हैं. सिर्फ आईपीएल ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मैचों के अभ्यास सत्र के दौरान भी धोनी को शायद ही कभी विकेटकीपिंग की प्रैक्टिस करते देखा गया है. चेन्नई सुपरकिंग्स के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने भी इस बात को माना है कि उन्होंने पिछले 8 सालों में धोनी को कभी विकेटकीपिंग की प्रैक्टिस करते नहीं देखा है.

धोनी ने खोला राज, क्यों नहीं करते विकेटकीपिंग प्रैक्टिस

एक इंटरव्यू के दौरान धोनी ने कहा था, 'मेरी विकेटकीपिंग स्टाइल दूसरों से अलग है, इसलिए मैं प्रैक्टिस नहीं करता. मेरा मानना है कि विकेटकीपर्स को कैचिंग प्रैक्टिस की ज्यादा जरुरत नहीं होती, क्योंकि विकेटकीपिंग प्रैक्टिस से ज्यादा मानसिकता पर निर्भर करती है.' उनका कहना है कि विकेटकीपर भले ही 100 गेंदें छोड़ दे, लेकिन जब कैच लेने का मौका तो उसे तुरंत लपक ले और जब स्टंपिंग का मौका आए तो फुर्ती के साथ गिल्लियां उड़ा दें. बस इसी की जरूरत है.

विकेटकीपिंग के बारे में धोनी का कहना है, 'आपको बहुत अच्छे कीपर की जरुरत नहीं होती, जिसका परफॉर्मेंस लगातार अच्छा हो. आपको शायद ऐसे खराब विकेटकीपर की जरूरत होगी जो भले ही कई गेंदे ना पकड़ पाए लेकिन मौके पर कैच और स्टंपिंग के मौके को भुनाना जानता हो.'

कैसे करते हैं धोनी इतनी शानदार कीपिंग

महेंद्र सिंह धोनी गेंद को अपने हाथों से धक्का सा देते हैं. इससे समय बचता है. वह स्टंप्स के सामने गेंद को पकड़ते हैं. खासकर जब थ्रो वाइड हो. वह गेंद की दिशा मोड़कर उसे स्टंप्स पर लगा देते हैं. पूर्व विकेटकीपर बॉब वूल्मर इस काम के माहिर माने जाते थे. वह अपनी टांगों को 90 डिग्री तक ले जाकर गेंद को स्टंप्स पर लगा देते थे और सिंगल्स रोकते थे. खासतौर पर स्पिनर्स के खिलाफ. उनकी बल्लेबाज को पढ़ने की उनकी क्षमता और दूरदृष्टि की वजह से समय काफी बच जाता था.

शहर के शिव मंदिरों में भक्तों की उमड़ी भीड़, हर-हर महादेव की गूंज से भक्तिमय हुआ शहर

सूरत। महाशिवरात्रि महा पर्व के उपलक्ष में शहर में हर हर भोले के नाद से शिवालय गूंज उठे। अल सुबह से श्रद्धालुओं की मंदिर के सामने कतार लगनी शुरू हो गई। महिला-पुरुषों ने बिल्व पत्र और फूलों के हार चढ़ाकर अभिषेक किया। महिलाओं और पुरुष श्रद्धालुओं ने दूध में काले तिल डालकर बाबा को स्नान कराया। रुद्राभिषेक कर डमरूवाले बाबा से जीवन में सभी कामना पूर्ण करने का आशीर्वाद लिया। भक्तों ने मंदिर में ही शिव पुराण-शिव चालीसा का पाठ शुरू किया। 'ऊं नम: शिवाय' की धुन से शिवालय का वातावरण भक्तिमय बन गया। भक्तों ने दैविक-भौतिक तापों से रक्षा करने वाले त्रिनेत्रधारी डमरू वाले बाबा भोलेनाथ का आज सारे दिन मंदिर के चौखट पर बैठ कर पूजा अर्चना की और जन्म-जन्मांतर की कामना करते हुए सांसारिक तापों से मुक्ति की मांग कर भक्तों ने अपने को धन्य समझा। बाबा विषधर काल का प्रतीक हैं। शिव के कष्ट में विषधर उनके तमोगुण विजय का प्रतीक है। गंगा पाप मेदनी, पाप नाशिनी हैं। गंगा प्रतीक हैं शांति की, निर्मलता की, समाधिस्त शिव की जटाएं ध्यान की परिचायक हैं। इस तरह आध्यात्मिक विवेचना कर भक्तों ने मंदिरों को भक्तिमय बना दिया। ओंकारेश्वर महादेव मंदिर मॉडल टॉउन, आसपास महादेव मंदिर गोडादरा, कर्मनाथ महादेव मंदिर वराछा, कांतारेश्वर मंदिर कतारगांव, रुंढ़नाथ महादेव मंदिर रुंढ़ गांव आदि मंदिरो में आज सुबह से ही भक्तों की कतारें लगी रही।

उल्लेखनीय है कि महाशिवरात्रि के उपलक्ष में चार प्रहर की पूजा में श्री उमा महेश्वर भक्त मंडल की ओर से शाम पांच बजे राजपूत समाज की वाड़ी में पूजा-अर्चना और अनेक आयोजन किए गए। उक्त आयोजन पंडित. दीनदयाल दाधीच के सानिध्य में पूर्ण हुआ। जाट समाज की ओर से महाशिव रात्रि के उपलक्ष में प्रतिभा सम्मान समारोह वकील वाड़ी में किया गया। प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी विश्वविधालय की ओर से प्रदर्शनी और झांकी कार्यक्रम आयोजित किया गया। मानस मंडल की ओर से सुन्दरकाण्ड का पाठ किया गया। डॉ. आंबेडकर वनवासी ट्रस्ट की ओर से शिव विवाह कथा का आयोजन किया गया। महाशिवरात्रि के उपलक्ष में विभिन्न संस्थाओं द्वारा अनेक आध्यात्मिक आयोजन से भक्तों में उमंग और उल्लास का संचार देखा गया। शहर में मंगलवार को हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाया गया। देवों के देव भोलेनाथ की कृपा पाने के लिए सुबह से ही शहर के सभी शिव मंदिरों में भक्तों का तांता लगना शुरू हो गया। सुबह के 9 बजते-बजते भीड़ काफी बड़ गई और पूरे दिन हर-हर महादेव के नाद के साथ मंदिर के घंट बजते रहे। शहर के सभी शिव मंदिरों में जलाभिषेक का दौर चलता रहा। शाम को अपने-अपने स्तर से सभी मंदिरों में भक्तिमय गीत, संगीत और भजनों के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसका लाभ देर रात्रि तक भक्तों ने लिया।

महाशिव रात्रि पर्व को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा गया। शहर के कतारगांव स्थित कंतारेश्वर महादेव मंदिर, गंगेश्वर महादेव मंदिर, उधना स्थित दक्षेश्वर महादेव, कामदेव महादेव, पांडेसरा के काशी विश्वनाथ महादेव मंदिर, कामरेज के ईच्छानाथ, अटल आश्रम सहित शिवालयों में भगवान भोलेनाथ का दर्शन करने के लिए सुबह से ही लंबी कतार लगनी शुरू हो गई। मंदिरों के संचालक भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए हर संभव प्रयास करते रहे। सुबह से ही शहर के सभी शिव मंदिरों में हर-हर भोले की गूंज और घंट बजने की आवाज से समग्र शहर में भक्ति का वातावरण हो गया। मंदिरों में जलाभिषेक करने वालों की भीड़ देखते ही बन रही थी। मंदिरों में भोले के दर्शनार्थ आने वाले भक्तों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्ख्या अधिक देखी गई। बाल कन्याएं, युवतियां तथा महिलाएं अपार श्रद्धा के साथ कतार में लगकर देवों के देव भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त की। वहीं देर रात तक सभी शिव मंदिरों में भक्तिमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका स्थानीय लोगों ने लाभ लिया। सोमनाथ दादा मंदिर में खास पूजा की गई। इसके बाद भोलेनाथ का प्रिय भांग का भी जगह-जगह पर वितरण किया गया। कुछ शिवालयों में भव्य भंडारा का भी आयोजन किया गया। देर रात तक भजन संध्या का कार्यक्रम चलता रहा।

निरंकारी भक्तों ने किया रक्तदान, 109 युनिट रक्त हुआ एकत्रित

सूरत। संत निरंकारी चेरिटेबल फाउंडेसन द्वारा नौगामा स्थित संत निरंकारी सत्संग भवन पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में 109 निरंकारी भक्तो ने अत्साह के साथ मानव हीत के लिए रक्तदान किया।

सूरत जोन की ब्रांच नौंगामा पर हुए रक्तदान शिविर में सूरत अंकलेश्वर, व्यारा, मढी, वलसाड़, बारडोली, किम के निरंकारी भक्तों ने भाग लिया। इस अवसर पर 109 निरंकारी भक्तों ने स्वच्छिक से रक्तदान किया। इसमें महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही रक्त संग्रह सरदार स्मारक हॉस्पिटल के ब्लडबैंक के प्रभारी डॉ. राजेश भाई के नेतृत्व में डॉक्टर की टीम ने रक्त प्रशिक्षण कर एकत्रित किया।

इस अवसर पर डॉ. राजेशभाई ने निरंकारी भक्तों के उत्साह की प्रशंसा करता हुए कहा कि यह निरंकारी बाबा की शिक्षा का ही असर है कि एक साथ इतनी भारी संख्या में ये भक्त रक्तदान कर रहे है।

एक और रक्तदान चलता रहा वहीं दूसरी और आध्यात्मिक सत्संग भी हुआ जिसमें निरंकारी संत विनोदभाई ने सद्गूरू माता सविन्दर हरदेव जी महाराज का संदेश सुनाया उन्होंने कहा कि भ्भक्ति सब करते है जबकि बिन प्रभू के भक्ति हो नहीं सकती भक्ति के लिए जिसकी भक्ति की जा रही है उस प्रभू को जानना भी जरुरी है। वर्तमान समय में सद्गूरू माता सविन्दर हरदेव जी महाराज ब्रह्मज्ञान द्वारा परमात्मा का साक्षात्कार कर रहे है। इस अवसर पर स्थानीय इन्चार्ज निदेशभाई ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

डिंडोली की बिल्डिंग में काम करते समय गिरे युवक की मौत

सूरत। डिंडोली के शक्ति इन्फार्म अंबिका ए-1 बिल्डिंग में एल्म्युमिनियम का काम करते समय 9वीं मंजिल से नीचे गिरे एक 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई।

घटना के संदर्भ में नई सिविल अस्पताल से प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोली के शक्ति इन्फार्म अंबिका ए-1 बिल्डिंग की नौवीं मंजिल पर विपुल कांतीभाई प्रजापति (मूल नवा कुं बारवाड, मोटलवाड के पास चाणस्मा, पाटण) गत रोज देर शाम को एल्युमिनियम का काम कर रहा था। उसी समय विपुल अचानक नीचे गिर गया। गंभीर रूप से घायल विपुल को उसके सहकर्मी हिरेन पांचाल इलाज के लिए नई सिविल अस्पताल में ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने जांच करने के बाद विपुल को मृत घोषित कर दिया। घटना के बारे में डिंडोली पुलिस दुर्घटना का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

सूरत। नॉन स्टोप स्केटिंग इवेंटस का आयोजन भारती स्कूल, पालनपूर पाटिया में किया गया। जिसमें बच्चों ने स्केटिंग का लुफ्त उठाया।

बीमारी से परेशान होकर फांसी पर झूल गया युवक

सूरत। शहर के बरियावी बाजार धास्तीपुरा में रहने वाला 30 वर्षीय युवक बीमारी से परेशान होकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

चौकबाजार पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मूलत: उत्तर प्रदेश फैजाबाद के बालपुर गांव निवासी तथा इस समय सूरत के बरियावी बाजार धास्तीपुरा खाता नं.1 तीसरी मंजिल पर रहने वाले मोहम्मद अल्ताफ रियाज अंसारी पिछले काफी समय से बीमारी होने के कारण परेशान था। सोमवार की रात 11 बजे के करीब मोहम्मद अल्ताफ ने बीमारी से हैरान होकर अपने रूम में छत पर लगी सलिया में कपड़े का टुकड़ा बांधकर फांसी लगा लिया। घटना की जानकारी होने पर चौकबाजार पुलिस स्थल पर पहुंच कर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेजकर आगे की जांच कर रही है।

लिंबायत के युवक ने लगाई फांसी

सूरत। शहर के लिंबायत कैलाश नगर में रहने वाले एक विक्षिप्त किस्म के युवक ने तनाव में आकर फांसी लगा आत्महत्या कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लिंबात क्षेत्र स्थित कैलाश नगर सुपर सिनेमा के सामने घर नं. ए-52 में रहने वाले रोहित केदार राय (19 वर्ष) कुछ विक्षिप्त किस्म का होने के कारण पिछले काफी समय से घबराए और तनाव में रहता था। गत रोज रोहित ने अपने घर के बगल के रूम में पंखा के लिए लगाए गए हुक में टुवाल व कपड़े की रस्सी से फांसी लगा आत्महत्या कर लिया। घटना के संदर्भ में लिंबायत पुलिस आत्महत्या का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

9 साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या, सौतेले भाई पर संदेह

जामनगर (ईएमएस)। शहर में 9 साल की बच्ची की दुष्कर्म करने के बाद हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक बच्ची के सौतेले भाई से पूछताछ शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक जामनगर में छत से एक 9 साल की बच्ची के गिर जाने से मौत की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस और एलसीबी घटनास्थल पर पहुंच गई। मृतक बच्ची के शरीर पर चोट के कई निशान देख पुलिस को आशंका है कि बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गई है। मृत बच्ची का सौतेला भाई है, जिसकी उम्र 15 साल की है। पुलिस को आशंका है कि रात्रि के दौरान सौतेले भाई-बहन घर में अकेले थे, उसी वक्त दुष्कर्म के बाद बच्ची की हत्या कर दी गई। फिलहाल पुलिस ने बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और मृतका के सौतेले भाई से भाई से पूछताछ शुरू की है।

भाजपा में फूट, पूर्व जिला पंचायत प्रमुख कांग्रेस में शामिल

बनासकांठा (ईएमएस)। जिला पंचायत के चुनाव पूर्व भाजपा में फूट पडी है। पूर्व जिला पंचायत प्रमुख राजेन्द्र जोशी आज कांग्रेस में शामिल हो गए।

विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में भाजपा के घट रहे जनाधार के चलते लोग अब कांग्रेस की ओर बढ रहे हैं। ऐसी ही एक घटना सामने आई है। जिला पंचायतों के चुनाव पहले भाजपा को छोड़ लोग कांग्रेस में शामिल हो रहे है। ऐसी ही घटना सामने आई है बनासकांठा जिले की। बनासकांठा जिले की भाजपा की समग्र टीम कांग्रेस में शामिल हो गई है। भाजपा के जिला पंचायत के पूर्व प्रमुख राजेन्द्र जोशी अपनी टीम के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए।

पाठशालाओं ने परीक्षा फार्म भरने में की भूल, बोर्ड लगाएगा लताड़

2 हजार फार्म में भूल करने से शाला के संचालक इसे सही करने के लिए बुलाए जाएंगे

सूरत। आगामी मार्च में राज्य में कक्षा-10 और 12 की परीक्षा ली जानी है। लेकिन बोर्ड की परीक्षा के इस 2 हजार फार्मों में शाला संचालकों द्वारा भारी भूल की गई है।

गुजरात माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षण बोर्ड द्वारा फार्मों की जांच करने पर कई तरह की भूल सामने आई है। जिसमें विद्यार्थियों के नाम, उम्र, पता, विषय, स्कूल का नाम भी लिखने में भूल की गई है। कक्षा-10 के फार्म में 1773 शालाओं ने भूल की है। जबकि कक्षा-12 की 300 से अधिक शालाओं ने भूल की है। अत: इन शालाओं के संचालकों को इस भूल को सुधारने के लिए गांधीनगर में दो चरण में बुलाया गया है। भूल के मुद्दे पर शालाओं के संचालकों को शिक्षण बोर्ड द्वारा डाट-फटकार भी पड़ेगी।

भजन-कीर्तन करने की मांग को जेल प्रशासन ने नकारा तो कैदी उतरे उपवास पर

सूरत। शहर के लाजपोर जेल में कैदियों ने शिवरात्रि के अवसर पर भजन-कीर्तन करने के लिए जेल प्रशासन से मांग की थी। लेकिन जेल प्रशासन ने उनकी मांग को स्वीकार नहीं की जिससे कैदी उपवास पर उतर गए। जबकि कैदियों द्वारा उपवास करने की बात को जेल प्रशासन इनकार कर रहा है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिन स्थित लाजपोर जेल में बंद कैदियों ने महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर भगवान शिव की आराधना के लिए बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया था। जेल के सभी कैदियों ने एकत्र होकर शिवरात्रि के दिन भजन-कीर्तन करने का निर्णय लिए थे। इसके लिए जेल मंत्री से मंजूरी मांगी गई थी। लेकिन जेल प्रशासन द्वारा इसकी मंजूरी नहीं दी गई। भजन-कीर्तन के लिए मंजूरी जेल तंत्र द्वारा न देने से कैदियों ने भूख हड़ताल पर उतरने का निर्णय लिया। हालांकि कैदियों द्वारा लिए गए इस निर्णय को जेल प्रशासन इनकार कर रहा है।

सोला सिविल अस्पताल में नि:शुल्क आयुर्वेद, होमिपैथिक केन्द्र आज से शुरु

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात सरकार के आयुष विभाग द्वारा आज से सोला सिविल अस्पताल में नि:शुल्क आयुर्वेद एवं होमियोपैथिक केन्द्र का प्रारंभ विधायक भूपेन्द्र पटेल द्वारा किया गया। जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ. हेमंत जोशी एवं डॉ.इन्द्रजीतसिंह वाघेला के मुताबिक एसजी हाईवे स्थित सोला सिविल अस्पताल के ए ब्लोक के पांचवीं मंजिल पर आज से भारत की प्राचीन एवं मूलभूत आयुर्वेद व होमियोपैथी चिकित्सा पद्धति का लाभ लोगों को नि:शुल्क उपलब्ध कराने के लिए ओपीडी विभाग शुरू किया गया है। यहां हरेक प्रकार की बिमारियों का आयुर्वेद व होमिपोपैथी चिकित्सा पद्धति से नि:शुल्क इलाजकिया जाएगा। साथ ही अन्य लोगों को स्वस्थ एवं दीर्घायुष के लिए आयुष चिकित्सा पद्धति के सिद्धांतों की जानकारी दी जाएगी।

सूरत। वेलेटाइन डे से पूर्व एस.टी.आर.एस. कॉलेट, पिपलोद, की छात्राओं ने वेलेटाइन डे मनाया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com